रेबीज़

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

केरल में **तीन टीकाकृत बच्चों की** [रेबीज़](#) से **मृत्यु हो गई, जबकि उन्हें उचित मात्रा में टीका लगाया गया था, जिससे समय पर हस्तक्षेप** को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं ।

- पीड़ितों के **सिर और हाथ में गहरी चोटें आईं** , जहाँ **घने तंत्रिका नेटवर्क थे**, जिससे **वायरस को तंत्रिका तंत्र तक तेज़ी से पहुँचने में मदद मिली।**
    - रेबीज़ तंत्रिकाओं के माध्यम से **केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (CNS) को संक्रमित करता है और संवेदनशील भाग पर काटने से उसके बाद हुए टीकाकरण** की प्रभावशीलता कम हो जाती है।
- **प्राथमिक उपचार में विफलता (घावों को साबुन और पानी से न धोना) से वायरस के संचरण** का जोखिम काफी बढ़ जाता है ।
- **रेबीज़:** यह एक **घातक पशुजन्य वायरल रोग** है जो मनुष्यों सहित स्तनधारियों के **केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है।**
    - **यह रेबीज़ वायरस** के कारण होता है और **लक्षण दिखने पर** लगभग 100% घातक होता है।
        - **लक्षण प्रकट होने से पहले** समय पर चिकित्सा देखभाल से **रेबीज़ को 100% रोका जा सकता है** ।
    - यह वायरस संक्रमित जानवरों (**कुत्तों, चमगादड़ों, रैकून, लोमड़ियों) की लार में मौजूद होता है और काटने, खरोंचने या खुले घावों** या **श्लेष्म झिल्ली को चाटने** के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश करता है।
    - वायरस तंत्रिकाओं के माध्यम से **मस्तिष्क तक पहुँचता है, मस्तिष्क में सूजन (एन्सेफेलाइटिस) उत्पन्न करता है, गंभीर तंत्रिका संबंधी समस्याएँ** उत्पन्न करता है तथा इनके परिणामस्वरूप मृत्यु हो जाती है।
    - [विश्व स्वास्थ्य संगठन](#) **की** रिपोर्ट के अनुसार भारत में **रेबीज़ का प्रकोप सबसे अधिक है** तथा वैश्विक रूप से रेबीज़ से होने वाली मौतों में से **36% यहीं होती हैं।**

और पढ़ें: [रेबीज़](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rabies-5